Nai Dunia (Indore), 01st March 2013, Page – 01 and 03

गायब हुई IIT की पांच एकड़ जमीन?

- शासन ने अलॉट की थी 502 एकड़ जमीन, इसमें से रिकॉर्ड में ही नहीं मिल रही 5 एकड़

राज्य शासन ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) इंदौर को 502 एकड़ जमीन अलॉट की थी। मगर अब इसमें से बेशकीमती 5 एकड़ जमीन गायब हो गई है। दरअसल, जब राजस्व और भू-अभिलेख विभाग ने जब जमीनी पड़ताल की तो धरातल से लेकर नक्शे तक, ये जमीन ढूंढे नहीं मिली। जमीन के गायब होने में अब कई तरह की गड़बड़ियों के संदेह भी उठने लगे हैं। आईनेक्स्ट की ग्राउंड रिपोर्ट...

...see pg 3

आईआईटी की जमीन हुई 'गुम'

- राज्य शासन ने आवंटित की थी 502 एकड़ जमीन
- एक पखवाड़े तक किया सीमांकन

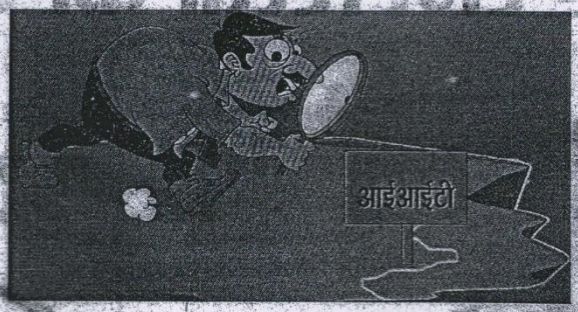

indore@inext.co.in

INDORE (28 Feb.): राज्य सरकार द्वारा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) को सिमरोल में आवंटित जमीन में से करीब 5 एकड़ हिस्सा गुम है। दरअसल, आईआईटी को 502 एकड़ जमीन दी गई थी, लेकिन धरातल और नक्शे में इसका मिलान नहीं हो पा रहा है। राजस्व और भू-अभिलेख के अमले ने करीब एक पखवाड़े तक जमीन का सीमांकन किया। अब वे भू-अभिलेख और नक्शों पर जमीन को तलाश रहे हैं।

नक्शों में यह देखा जा रहा है कि किस खसरे में कितनी जमीन बैठ रही है। कितनी जमीन बाहर है। इस काम में महू तहसील के राजस्व अधिकारी, एसएलआर, राजस्व निरीक्षक और पटवारी जुटे हैं। दिलचस्प पहलू यह है कि आईआईटी के लिए वर्ष 2009 में पहली बार जमीन का सीमांकन किया गया था। इसके बाद 2012 में पजेशन दिया गया। तबसे अब तक दो-तीन बार सीमांकन हो चुका है, लेकिन आईटीआई प्रबंधन अब भी संतुष्ट नहीं है। प्रबंधन आवंटित जमीन की एक-एक इंच जमीन को अपनी बाउंड्रीवॉल के अंदर लेना चाहता है। कुछ बिंदुओं को लेकर प्रबंधन को अब भी आपत्ति है। जमीन की सुरक्षा के लिए आईआईटी प्रबंधन बाउंड्रीवॉल बनवा रहा है। जमीन के तीन तरफ तो बाउंड्रीवॉल बन चुकी है, लेकिन एक ओर अभी ओपन एरिया है। यहां दो-तीन मकानों के अतिक्रमण और पहुंच मार्ग को लेकर अब भी समस्या है।

"जमीन का सीमांकन हो चुका है। आईआईटी प्रबंधन को कुछ बिंदुओं पर आपत्तियां थीं, वह भी क्लियर कर रहे हैं। भू-अभिलेख और नक्शे से मिलान किया जा रहा है।

चरणजीत सिंह हुडा,
अतिरिक्त तहसीलदार, सिमरोल